भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं 103 .

(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 01 दिसम्बर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

विदेशी पोर्टफोलियों निवेशकों (एफपीआई) का बहिर्वाह

103. श्री सुरेश कुमार शेटकरः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में 12,569 करोड़ रुपए से अधिक और 2025 में अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की है**;**

(ख) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे के दावों के बावजूद इस निरंतर पूंजी पलायन के क्या कारण हैं**;**

(ग) क्या विदेशी निवेशक भारत के बाजारों में विश्वास खो रहे हैं जबकि समकक्ष एशियाई अर्थव्यवस्थाएं निवेश आकर्षित करना जारी रखे हुए हैं और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सुधारात्मक उपायों से निवेशकों का विश्वास अभी तक बहाल क्यों नहीं हो पाया है**;**

(घ) क्या विशेषज्ञों ने भारत को 'एआई-अंडरपरफॉर्मर' बताया है और क्या सरकार स्वीकार करती है कि उसकी नीतियों या संवाद के कारण यह धारणा बनी होगी और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं**;**

(ङ) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं**;**

(च) क्या मिड-कैप कंपनियों द्वारा बेहतर आय प्रदर्शित/रिपोर्ट करने के बावजूद**,** एफपीआई अभी भी भारतीय इक्विटी से धन निकाल रहे हैं**;** और

(छ) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं**,** तो सरकार की नीतियां निवेशकों का विश्वास जगाने में विफल क्यों हो रही हैं**?**

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री

(श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग): कैलेंडर वर्ष 2025 में ऋण श्रेणी में एफपीआई निवल निवेश में लगभग ₹74,515 करोड़ के निवल अन्तर्वाह के साथ मजबूत सकारात्मक प्रगति देखी गई है। इसके अलावा, हाइब्रिड लिखत, म्यूचुअल फंड और एआईएफ ने भी ₹3,009 करोड़ का निवल अन्तर्वाह दर्ज किया है। इक्विटी खंड में ₹147,383 करोड़ का निवल बहिर्वाह दर्ज किया गया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाह गतिशील है और विभिन्न कारकों जैसे भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार शुल्कों संबंधी अनिश्चितताएं, मुद्रा के उतार-चढ़ाव और उभरते बाजारों में वैश्विक निधियो के कारण पोर्टफोलियो रीबैलेसिंग के आधार पर परिवर्तन होता रहता है। भारतीय इक्विटी से एफपीआई का मौजूदा

बहिर्वाह एशिया के उभरते बाजारों में देखे गए व्यापक पैटर्न का भाग है और यह सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। कई एशियाई बाजारों अर्थात वियतनाम, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ताइवान और थाईलैंड में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा बिकवाली देखी गई है।

(घ) एवं (ङ): वर्तमान रैंकिंग में भारत को एआई कौशल, क्षमताओं और एआई उपयोग संबंधी नीतियों के मामले में शीर्ष देशों में शामिल किया गया है। भारत जीआईटी हब एआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है, जो अपने व्यावसायिक डेवलपर समुदाय को दर्शाता है। इंडिया एआई मिशन, सात स्तंभों - इंडिया एआई कंप्यूट, एआई कोष, इंडिया एआई फाउंडेशन मॉडल्स, इंडिया एआई फ्यूचरस्किल्स, स्टार्टअप फाइनेंशिंग, एप्लिकेशन विकास और सुरक्षित एवं विश्वसनीय एआई- के माध्यम से भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक सुदृढ़ और समावेशी एआई पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की एक कार्यनीतिक पहल है।

(च) एवं (छ): एफपीआई निवेश निर्णय कई कारकों से प्रभावित होते हैं और वर्तमान प्रवाह उभरते हुए बाजार में वैश्विक निधियों द्वारा पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग का हिस्सा हैं। जैसा कि स्टॉक मार्केट बेंचमार्क सूचकांक के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब बने रहने से स्पष्ट है, एफपीआई बहिर्वाह के बावजूद, निवेशकों का विश्वास बना हुआ है।

***